भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2274
उत्तर देने की तारीख 20.03.2025

प्राचीन संप्रदायों का पुनरुत्थान

2274. **श्रीमती फूलो देवी नेतम :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने, विशेष रूप से कुंभ मेले जैसे आयोजनों के दौरान प्राचीन संप्रदायों के पुनरुत्थान का अवलोकन किया है;

(ख) इस पुनरुत्थान में योगदान देने वाले कारक कौन-कौन से हैं और समकालीन भारतीय समाज में इसका क्या महत्व है; और

(ग) समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हुए इन संप्रदायों की परंपराओं का समर्थन और संरक्षण करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ उत्सव है और विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहाँ लाखों भक्त पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए एकत्रित होते हैं। इस आयोजन के दौरान, अनेक प्राचीन संप्रदाय, आध्यात्मिक संगठन और धर्म गुरु एकजुट होते हैं, जो अक्सर ही सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे रीति-रिवाजों और प्रथाओं को प्रदर्शित करते हैं।

(ख): भारत में प्राचीन संप्रदायों का पुनरुत्थान आधुनिक धार्मिक चुनौतियों के मद्देनजर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर में बढ़ती रुचि और गूढ़ अर्थ की खोज जैसे कारकों से प्रेरित है। सोशल मीडिया और धार्मिक पर्यटन ने भी इन संप्रदायों के बारे में जानकारी का प्रसार करने में भूमिका निभाई है। यह पुनरुत्थान समकालीन समाज

में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पारंपरिक प्रथाओं को संरक्षित करने में सहायता करता है, भौतिकवाद का विकल्प प्रदान करता है, सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देता है और भारत के सांस्कृतिक मूल के प्रति राष्ट्रीय गौरव को सुदृढ़ करता है।

(ग): सरकार कुंभ मेले जैसे आयोजनों का समर्थन करती है, जो भारत की समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हुए प्राचीन संप्रदायों की परंपराओं को परिरक्षित करता है। संस्कृति मंत्रालय अनेक सांस्कृतिक उत्सवों/कार्यक्रमों का आयोजन/समर्थन भी करता है, जैसे काशी तमिल संगमम, माधवपुर घेड़, सौराष्ट्र तमिल संगमम, राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव आदि, जहां प्राचीन संप्रदायों सहित सभी प्रकार के दर्शक भाग लेते हैं, जिससे समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता सुनिश्चित होती है।